भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान,कानपुर

Date: 09.07.2018

कृषि विज्ञान केन्द्रों की 26 वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का उद्घाटन उ.प्र. के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया

दिनांक : 08-09 जुलाई 2019

स्थान – नरेन्द्र देव कृषि एवम् प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय अयोध्या

1. मुख्य अतिथि माननीय योगी आदित्यनाथ जी, मुख्यमंत्री उ. प्र. सरकार ।
2. विशिष्ठ अतिथि श्री रणवेंद्र प्रताप सिंह, माननीय राज्यमंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवम् कृषि अनुसंधान, उ.प्र.शासन लखनऊ।
3. डॉ ए के सिंह, उप महानिदेशक, कृषि प्रसार, भाकृअनुप, नई दिल्ली।
4. श्री अमित मोहन प्रसाद, प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवम् कृषि अनुसंधान, उ.प्र.शासन लखनऊ।
5. डॉ जे एस सन्धू, माननीय कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि एवम् प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय अयोध्या ।
6. डॉ सुशील सोलेमन, माननीय कुलपति, च. शे. आ. कृषि एवम् प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय, कानपुर।
7. डॉ यू एस गौतम, माननीय कुलपति, बाँदा कृषि एवम् प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय, बाँदा।
8. डॉ बिजेंद्र सिंह, महानिदेशक, उपकार लखनऊ ।
9. डॉ अतर सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, कानपुर, जोन-3।
10. डॉ ए पी राव, निदेशक प्रसार, नरेन्द्र देव कृषि एवम् प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय अयोध्या ।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की 26 वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ उ.प्र. के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। योगी आदित्यनाथ जी ने अपने सम्बोधन मे कहा कि प्रदेश मे कृषि विकास में कृषि विज्ञान केंद्रों की महती भूमिका है इसलिये गत वर्ष एक ही आदेश से 20 नये केविके खोलने की स्वीकृति के साथ भूमि भी उपलब्ध करा दी गयी । माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने विगत वर्षों मे कृषि एवम् कृषकों की आय 2022 तक दोगुनी करने का संकल्प लिया है धरती के स्वास्थ्य सुधार हेतु मृदा स्वास्थ कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, फसलो का न्यूनतम समर्थन मूल्य, दलहन के मूल्य संतुलन, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओ से किसानो को राहत दी तथा उनका अगामी पांच वर्षों मे भारत की अर्थ व्यवस्था 5 लाख करोड़ $ ले जाने का सपना है जिसे बेहतर कृषि उत्पादन से ही सम्भव है। उन्होने कहा कि उ.प्र. की भूमि जल संसाधन मे अपार सम्भावनाये हैं जिससे समस्त विश्व की आबादी का भरण पोषण करने की क्षमता है।

चावल की काला नमक प्रजाति को उ.प्र. के सिद्धार्थ नगर जनपद को मूल स्थान बताते हुए इसकी परिष्कृत प्रजाति को पैदाकर निर्यात की अपार सम्भावनाये है। इसमे सबसे ज्यादा प्रोटीन तथा यह सुगंध से भरपूर है इसी प्रकार मुजफ्फ्फर नगर मे जैविक गुड़ का निर्यात देश विदेश मे होने की सम्भावना है। राष्ट्र, युवा से प्रौढ़ बनने की दिशा मे स्वतंत्रता की 75 वीं वर्ष गाँठ पर सन् 2022 तक आगे बढ़ रहा है। गौ वंश की सुरक्षा पर शासन द्वारा ध्यान दिया जा रहा है । गौशाला/ गौ आश्रय स्थल बनने से उनके गोबर से जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा केविके के पशु पालन विशेषज्ञ नस्ल सुधार के कार्यक्रम से गायों को उत्पादक बनाने मे अपनी भूमिका निभाये तथा कृषि विभाग भी आगे आये अन्ना-प्रथा अपने आप समाप्त हो जायेगी। जब गाये 8-10 लीटर दूध देने की क्षमता वाली हो जायेगी । उन्होने कृषि के लाभकारी माडल, तालाब मछली पालन, मेढ़ पर पेड लगाना,

पशुपालन, उन्नत किस्म के चारा उत्पादन पर विशेष बल देते हुए कृषि वि.वि. केविके को और अधिक स्वायत्ता देनी चाहिये।

कार्यशाला मे उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ ए. के. सिंह ने अपने उद्बोधन मे कृषि विज्ञान केंद्रों की उपयोगिता को शासन, केंद्र सरकार के माननीय मंत्रियों एवम् सांसदों द्वारा समझा गया उनके कार्यों की सराहना भी की गयी। केंद्रों के प्रयास से दलहन के क्षेत्र मे देश आत्मनिर्भर हुआ 2 लाख से अधिक किसानो को प्रशिक्षित कर 20 हजार कुंतल उन्नत बीज पैदा कर किसानो मे उपलब्ध कराया गया, 177 अति पिछड़े जिलो को कृषि कल्याण कार्यक्रम से आच्छादित किया गया, जल संचय के कार्यक्रमों का दायित्व कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से 150 वीं गाँधी जयन्ती 2 अक्तूबर 2019 से प्रारम्भ किया जायेगा जो संपूर्ण देश मे चलेगा, कम पानी चाहने वाली फसलो की बुवाई, तालाबो का निर्माण, पोषक मूल्य की खाद्य फसलो की प्रजातियों का उत्पादन 2 गाव का चयन कर सन् 2022 तक किसानों की आय दो गुनी करने के साथ अगुवाई करनी है यह कृषि वि.वि. धान, आवंला एवम् बेल के लिये जाना जाता है।

कार्यशाला मे वैज्ञानिकों का मार्ग दर्शन करते हुए उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ ए के सिंह ने कहा कि केविके क़े अधिक दायित्व बढ़ रहे है तथा 1000 नये किसानों को जोड़ना, कृषि वि.वि. एवम् शोध संस्थान तकनीकी विकसित करते है परंतु तकनीकी को केविके ही किसानो के बीच मे ले जाते है जो कि अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होने कहा कि 150 किसानो के यहा 50% युरिया की खपत कम करना, 150 किसानो के यहा माइक्रो इरिगेशन सिस्टम को लागू करना, 150 किसानों के यहा कम पानी चाहने वाली फसले उगाना आदि कार्यक्रम प्रत्येक केविके को करना है व जीरो बजट फार्मिंग भी उसी प्रकार करना है। छोटे किसानो का प्रतिनिधित्व 80% तक होना चाहियें, इनपुट डीलर प्रशिक्षण, आइ एफ एस मॉडल प्रत्येक केविके पर हो, दलहन सीड हब के माध्यम से बीज प्रतिस्थापन दर को बढ़ाना होगा। अंत मे उन्होने कृषि विज्ञान केंद्रों के विषय विशेषज्ञ के ग्रेड पे 5400 को 2011 के बाद लागू होने की बात करते हुए आश्वस्त किया कि वर्ष 2011 के पूर्व भाकृअनुप को 6000 ग्रेड पे देने मे कोइ आपत्ति नही है साथ ही पेंसन प्रकरण को माननीय कृषि मंत्री, भारत सरकार से उ.प्र. शासन को पत्र लिखवाकर निस्तारण काराने का अश्वासन दिया।

इस अवसर पर नरेंद्र देव कृ. वि. वि. के कुलपति महोदय द्वारा मुख्यमंत्री की कृषि एवम् किसानों की प्रति लगाव एवम् कृषि विकास के प्रति समर्पित सरकार की इच्छा की सराहना करते हुए अभिनंदन एवम् अभार व्यक्त किया उपस्थित सभी अतिथियों कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों निदेशक प्रसार गण तथा सभी कुलपति गणों का स्वागत एवम अभिनंदन किया। उन्होने माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयास से 20 करोड़ की धनराशि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से अवमुक्त करने एवम् 83 शैक्षिक पदों की स्वीकृत देकर वि.वि. की शिक्षण कार्य को गति दी इसके लिए उनका अभार व्यक्त किया। उप महानिदेशक, कृषि प्रसार को कार्यशाला के स्थान चयन एवम् अभूत पूर्व सहयोग के लिये अभार जताया वि.वि. की विशिष्ठ उपलब्धियों मे शासन के सहयोग हेतु प्रमुख सचिव का धन्यवाद किया। 8 नये कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना, सोलर यूनिट, यू पी कैटेट परीक्षा का आयोजन,

पर्यावरण, स्वच्छता, डेरी, गंदे पानी को परिष्कृत कर मछली पालन, कौशल विकाश, छात्रावासों का निर्माण आदि के लिये के सहयोग हेतु धन्यवाद दिया ।इस अवसर पर अटारी कानपुर के निदेशक डॉ अतर सिंह ने वर्ष 2018-19 मे संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमो व परियोजनायों का लेखा-जोखा तथा उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण किया। बांदा कृषि वि.वि. क़े कुलपति डॉ यूँ एस गौतम ने वि.वि. के प्रत्येक केविके को 3-3 लाख बजट केविके के विकास के लिये आवंटित करने की बात कही तथा उन्होने यह भी कहा कि बुन्देलखण्ड केविके का रिवाल्विंग बजट च. आ. कृ, वि.वि. द्वारा वापस किया जाय और उन्होने आर्या, नारी, जैसी योजनाओं को बुन्देलखण्ड के केविके से संचालन हेतु आवंटित करने की मांग रखी तथा वि.वि. उपलब्धियां भी प्रस्तुत की। उपकार के महानिदेशक द्वारा केविके तथा कृषि वि.वि. को गति देने में वित्तीय एवम् तकनीकी सहयोग देने का अश्वासन दिया ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा अटारी कानपुर द्वारा प्रकाशित " नवो-मेशी कृषकों के अनुभव" पुस्तक, कृषि शोध दर्पण हिंदी त्रैमासिक पत्रिका एवम् वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2018-19 का विमोचन किया गया तथा वि.वि. के अन्य प्रकाशनों का भी विमोचन किया गया।

वि.वि. के माननीय कुलपति जी ने मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि एवम् अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्विवद्यालय का सौभाग्य है कि 30 वर्षों के बाद विश्वविद्यालय मे प्रदेश के मुख्यमंत्री का प्रथम वार आगमन हुआ है। 'माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा परिसर में आचार्य नरेंद्र देव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर सोलर यूनिट तथा छात्रावास का लोकार्पण किया गया'।

माननीय राज्यमंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवम् कृषि अनुसंधान श्री रणवेंद्र प्रताप सिंह ने उद्घाटन कार्यक्रम का समापन करते हुए जैविक खेती माडल को अपनाने की अपील की तथा कार्यक्रम मे कुलपति गण, 83 केविके के वैज्ञानिक/ अध्यक्ष, अटारी कानपुर की पूरी टीम, पूर्व निदेशक प्रसार वि.वि. शोध छात्र, प्रेस मीडिया के सहयोगी सहित 500 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए। सभी का धन्यवाद ज्ञापन भी किया ।